अनुक्रमणिका

क्र.सं.	अध्याय	पृ. सं.
⊙	मैं जो चाहूँ (चित्रकथा)	5
1.	एक सवाल (कविता)	8
2.	कछुआ और हंस (कहानी)	17
3.	एक अनोखी रेलयात्रा (यात्रा-वृतांत)	26
4.	कदंब का पेड़ (कविता)	37
5.	थॉमस एल्वा एडीसन (जीवनी)	44
6.	बुद्ध और अंगुलिमाल (कहानी)	51
7.	वीर तुम बढ़े चलो (कविता)	59
8.	नजरबट्टू (कहानी)	65
9.	शिष्टाचार (निबंध)	72
10.	बालभवन की सैर (पत्र)	79
11.	सर आइज़क न्यूटन (कविता)	84
12.	सैर-सपाटा (डायरी-लेखन)	90
13.	भारत माँ के वीर सपूत (कविता)	96
✶	स्वमूल्यांकन पत्र-1	101
✶	स्वमूल्यांकन पत्र-2	103

EDITONE INTERNATIONAL

मैं जो चाहूँ (चित्रकथा)

(केवल पठन हेतु)

कल्टू अगले ही पल आग में कूद पड़ा।
एक कंजूस ही अपने रुपये थैले में रख सकता है।

थोड़ी देर बाद कल्टू रुपयों का थैला लेकर बाहर आया।
ओह, उसने तो यह काम कर दिखाया! वाह!
लाओ, थैला मुझे दे दो!

इतनी भी जल्दी क्या है, भाई! याद कीजिए हमारे बीच क्या तय हुआ था? मैंने कहा था कि मैं जो चाहूँगा वही आपको दूँगा और बाकी का खुद रख लूँगा। मैं आपको यह दूँगा।
01₹
सिर्फ एक रुपया... धोखेबाज़... मेरा थैला मुझे लौटा दो, वरना...

मैं तुम्हें न्यायाधीश के पास ले चलूँगा और जेल में डलवा दूँगा।
वरना तुम क्या करोगे... बताओ तो जरा...?

नगर के न्यायाधीश के पास चलो, वहीं मामला झट से निपटा लेते हैं।
तो फिर चलो।

जल्द ही मामला न्यायाधीश के सामने पहुँचा। न्यायाधीश ने कुछ देर तक उस पर विचार किया और अपना फ़ैसला सुनाया।
कल्टू, न्यायालय का आदेश है कि तुम रुपयों से भरा थैला हरिलाल को लौटा दो और वह एक रुपया खुद ले लो, बतौर इनाम
लेकिन न्यायाधीश जी, हमारे बीच तय हुआ था कि...

मैं जानता हूँ कि क्या तय हुआ था। तय यह हुआ था कि तुम जो चाहोगे वही हरिलाल को दोगे और बाकी का खुद रख लोगे लेकिन तुम इस बात पर कायम नहीं रहे।
लेकिन मैंने तो वही किया जो मैंने कहा था।
नहीं, तुमने ऐसा नहीं किया। तुमने चाहा कि नोटों से भरा थैला स्वयं अपने पास रखूँ और तुमने वैसा ही किया। किया न? अब तयशुदा बात के तहत तुमने जो चाहा वही हरिलाल को देना होगा इसलिए नोटों से भरा वह थैला हरिलाल को दे दो, अभी... इसी वक्त।

मेरा फ़ैसला अंतिम है। किसी भी तरह की बहस की तो मैं तुम्हें जेल में डलवा दूँगा, समझे।
लेकिन... लेकिन
अब रुपयों का थैला हरिलाल को दे दो और एक रुपए का नोट ले लो।

कल्टू को आदेश का पालन करना पड़ा।
गुरर्रर्र... मैंने अपनी जान लगा दी पर मुझे क्या मिला।
सही फ़ैसला हुआ है, न्यायाधीश जी ज़िंदाबाद!

अध्याय 1

एक सवाल
(कविता)

अध्ययन से पूर्व

- चित्र को कक्षा में दिखाकर उस पर चर्चा करें कि ऐसा ही क्यों होता है?

कविता का मूल तत्व

बच्चों को सोचने के लिए प्रेरित करना, समस्या समाधान जैसे कौशल के लिए मनोबल बढ़ाते हुए जागरुक करना।

आओ, पूछें एक सवाल!
मेरे सिर में कितने बाल?

कितने आसमान में तारे?
बतलाओ या कह दो हारे!

नदियाँ क्यों बहती दिन-रात?
चिड़िया क्या करती है बात?

क्यों कुत्ता बिल्ली पर धाए?
बिल्ली क्यों चूहे को खाए?

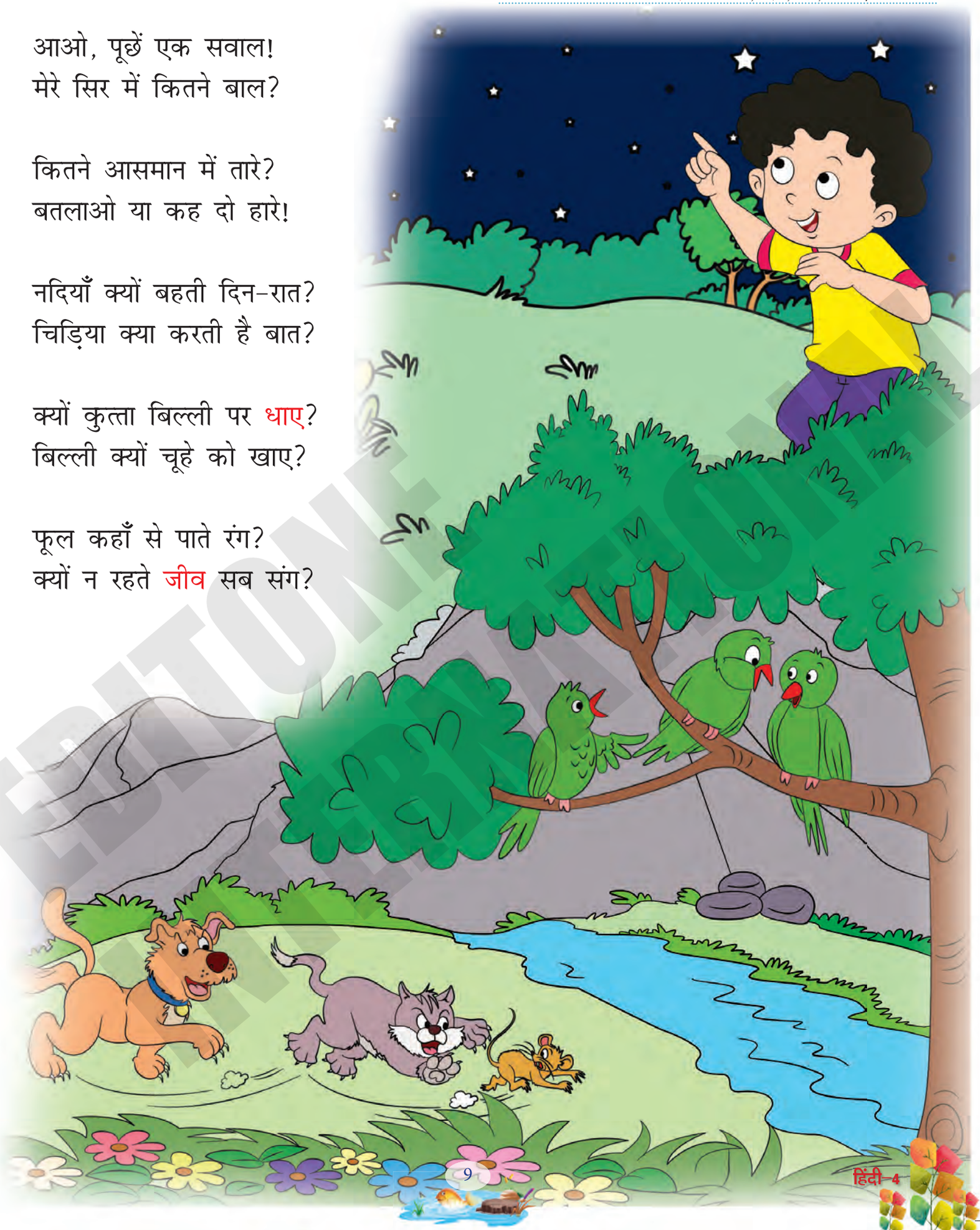

फूल कहाँ से पाते रंग?
क्यों न रहते जीव सब संग?

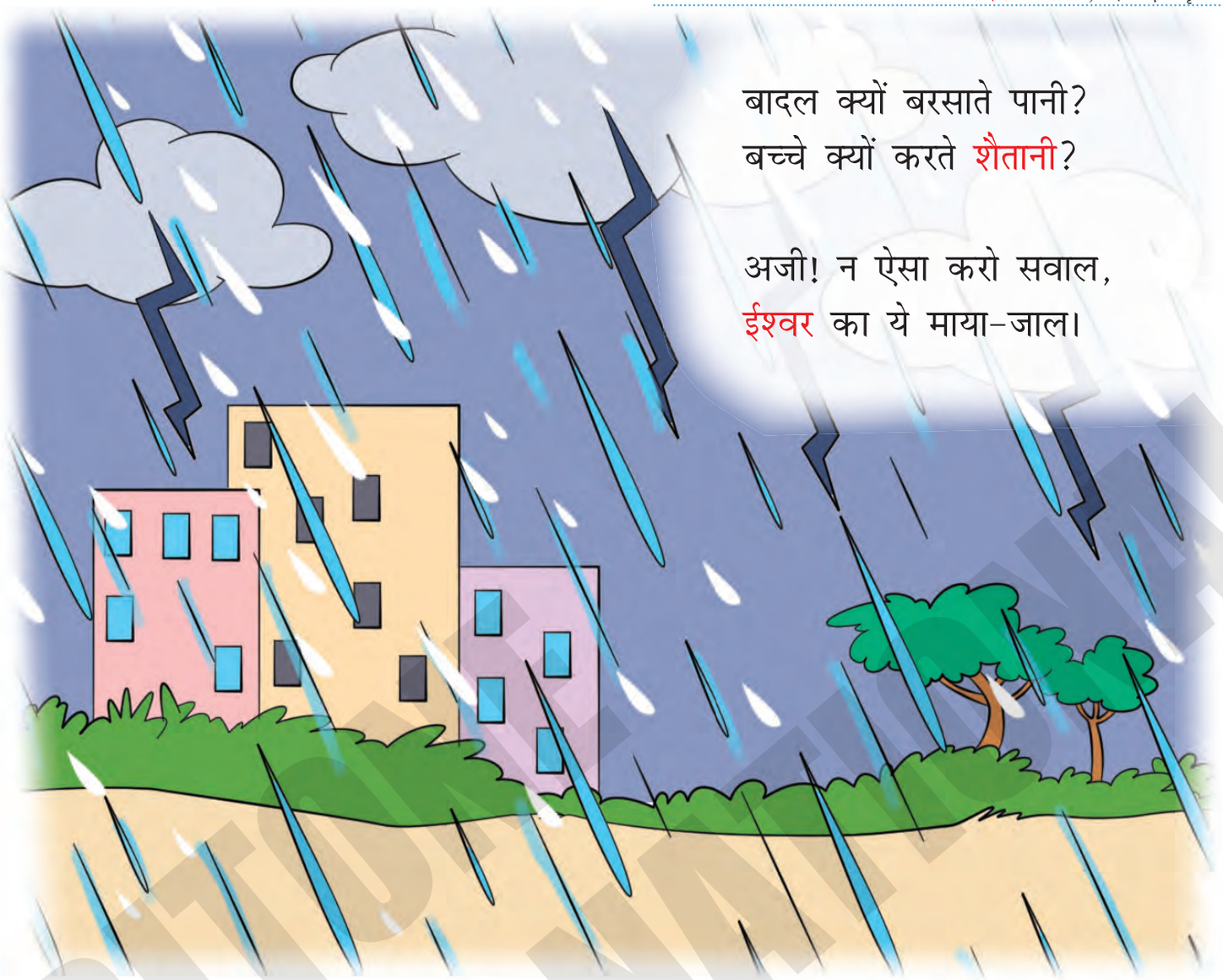

बादल क्यों बरसाते पानी?
बच्चे क्यों करते शैतानी?

अजी! न ऐसा करो सवाल,
ईश्वर का ये माया-जाल।

शब्दार्थ

ईश्वर	=	भगवान	जीव	=	पशु, पक्षी, इनसान
धाए	=	हमला	शैतानी	=	उधम मचाना

उच्चारण करें

नदियाँ चिड़ियाँ शैतानी ईश्वर बतलाओ

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को कविता का भावार्थ समझाएँ। साथ ही पंक्तियों के माध्यम से कुछ रचनात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करें।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) आसमान में तारे कब दिखाई देते हैं?

(ख) क्या फूलों के बहुत-से रंग होते हैं?

(ग) चूहे को कौन खाता है?

(घ) पानी कौन बरसाता है?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) आसमान में तारों के साथ कौन दिखाई देता है?

.....

(ख) नदियों के बहने का समय क्या है?

.....

(ग) जीव साथ-साथ क्यों नहीं रहते?

.....

(घ) बरसात कौन करता है?

.....

3. दी गई कविता की पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

क्यों कुत्ता, बिल्ली पर धाए?
बिल्ली क्यों चूहे को खाए?
फूल कहाँ से पाते रंग?
क्यों न रहते जीव सब संग?

EDITONE INTERNATIONAL

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

4. अगर धरती पर वृक्ष न रहें तो क्या होगा? सोचकर बताइए।

5. चूहा, बिल्ली और कुत्ता यदि आपस में बात कर पाते, तो एक-दूसरे से क्या कहते? विचार कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

6. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

(क) धरती – .....

(ख) दिन – .....

(ग) रंग – .....

(घ) सवाल – .....

(ङ) जीत – .....

EDITONE INTERNATIONAL

7. एकवचन को बहुवचन में लिखिए।

एकवचन		बहुवचन
(क) तारा	–	.....
(ख) चिड़िया	–	.....
(ग) नदी	–	.....
(घ) चूहा	–	.....
(ङ) बच्चा	–	.....

8. कविता में आए संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखिए।

बादल	फूल	कुत्ता	करो	खाए	संग	शैतानी	नदियाँ

....

....

9. तुकांत शब्द लिखिए।

(क) बाल	–	.....	.....	.....
(ख) बहती	–	.....	.....	.....
(ग) फूल	–	.....	.....	.....
(घ) पानी	–	.....	.....	.....

10. समान अर्थ वाले शब्द लिखिए।

(क) आसमान	–	.....	.....	.....
(ख) फूल	–	.....	.....	.....
(ग) बादल	–	.....	.....	.....
(घ) नदी	–	.....	.....	.....
(ङ) पानी	–	.....	.....	.....

EDI ONE INTERNATIONAL

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

11. दिए गए चित्रों को देखकर अपनी कक्षा में चर्चा कीजिए और आपके मन में क्या-क्या सवाल उठ रहे हैं? उन्हें लिखिए।

12. दिए गए चित्रों को ध्यान से देखते हुए बताइए कि दोनों चित्रों में क्या अंतर है? कारण भी लिखने का प्रयास करें।

EDITONE INTERNATIONAL

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

13. बूझो तो जानें! पहेली को चित्र के साथ मिलाएँ।

(क) तीन अक्षर का नाम है,
आगे से पढ़ो या पीछे से
मतलब एक समान है।

(ख) कटोरे पर कटोरा,
बेटा बाप से भी गोरा।

(ग) सबको मैं देता हूँ ज्ञान,
काला रंग है मेरी शान।

EDITONE INTERNATIONAL

ज़रा रंग भरिए

Art Integrated Activity

14. दिए गए चित्र में रंग भरिए।

EDUCARE INTERNATIONAL

अध्याय 2

'कछुआ और हंस'
(कहानी)

अध्ययन से पूर्व

कहानी का मूल तत्व

प्रस्तुत कहानी में कछुआ और हंस के आपसी संवाद के बारे में बताया गया है। जिसमें विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य से काम लेने की सीख दी गई है।

एक बड़े-से तालाब में एक कछुआ रहता था। उस तालाब में दो हंस रोज़ पानी पीने आते थे। इस दौरान तीनों मिलकर खूब बातें करते। धीरे-धीरे तीनों में गहरी मित्रता हो गयी।

एक बार कई दिनों तक सूखा पड़ने के कारण तालाब का पानी कम हो गया। इस बात से अब कछुआ और दोनों हंस चिंतित होने लगे।

कछुए ने कहा, मित्रों! तालाब का पानी तो बहुत कम हो गया है। अब बचा हुआ पानी भी ज्यादा दिन नहीं चलेगा। इसलिए अब हमें जल्दी ही किसी नए तालाब की खोज करनी चाहिए ताकि हम वहाँ आराम से रह सकें। अगले दिन दोनों हंस एक नये तालाब की तलाश में उड़ जाते हैं और वापस आकर कछुए को बताते हैं।

EDITORIAL

एक हंस बोला, मित्र! आज हमने एक बड़े तालाब को खोजा है, जो यहाँ से बहुत दूर है। उसमें अभी काफी पानी है। हम वहाँ आराम से रह सकते हैं। इसलिए अब हमें जल्दी ही यहाँ से चलने की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

लेकिन अब समस्या यह थी कि दोनों हंस तो उड़ सकते थे लेकिन कछुआ उड़ना नहीं जानता था।

फिर उन्होंने एक योजना बनाई कि दोनों हंस एक बड़ी-सी लकड़ी को दोनों किनारों से पकड़ लेंगे और कछुआ उस लकड़ी को बीच में से अपने मुँह से पकड़ लेगा।

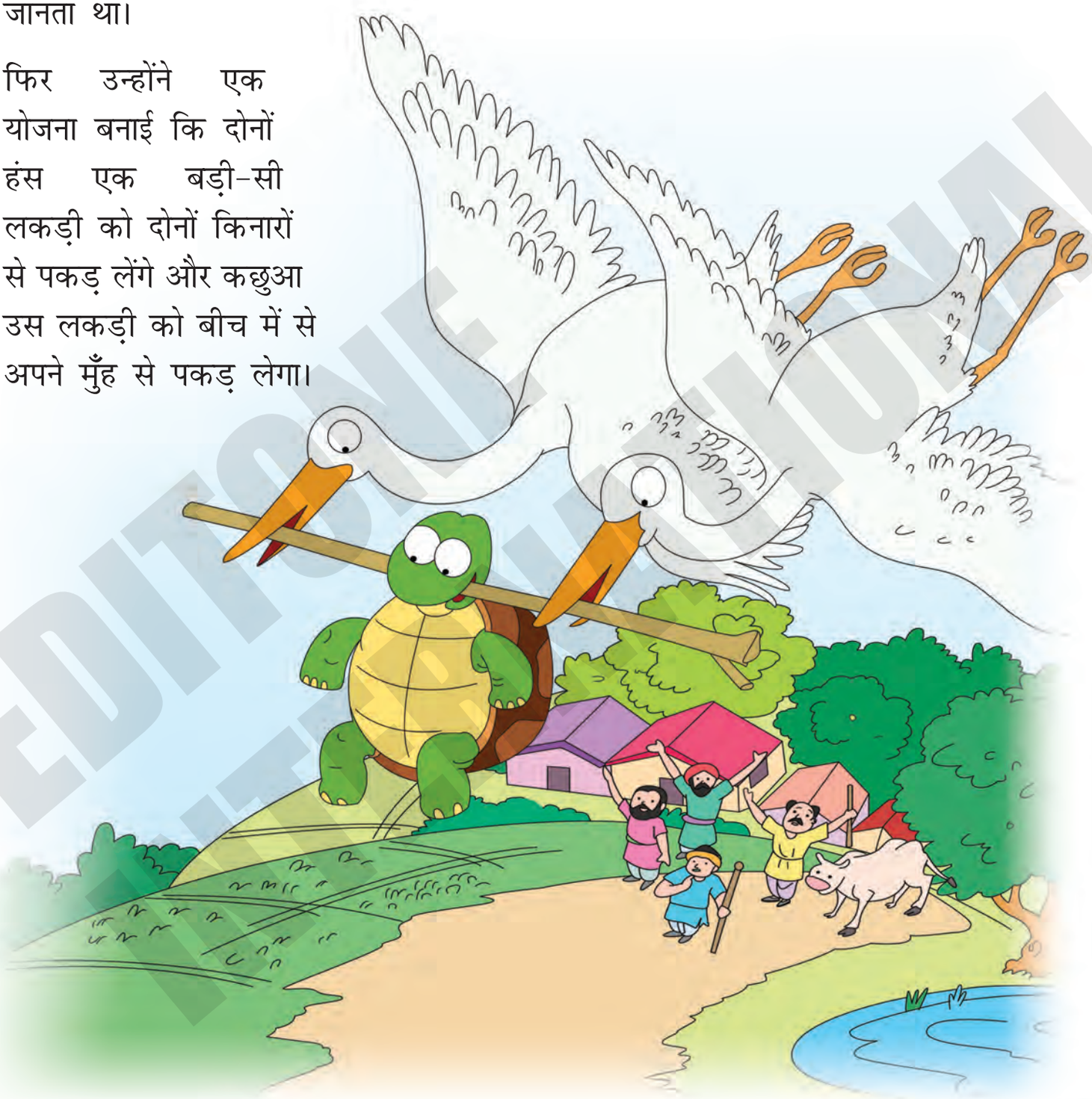

EDITORIAL INTERNATIONAL

हाँ, यह उपाय ही हमारे लिए सबसे अच्छा रहेगा, कछुआ बोला।

लेकिन दोस्त इसमें खतरा भी बहुत है, बस तुम लकड़ी को मजबूती से मुँह में दबाकर रखना और बिल्कुल भी मुँह मत खोलना, एक हंस ने कछुए से बोला।

हाँ... हाँ तुम दोनों इस बात की बिल्कुल भी चिंता मत करो, कछुआ बोला।

अगले दिन सब कुछ योजना के अनुसार ही हुआ। एक लकड़ी जिसको दोनों सिरों से दोनों हंसों ने पकड़ लिया और बीच में कछुए ने उस लकड़ी को अपने मुँह में दबा लिया।

जब उड़ते हुए तीनों एक गाँव के ऊपर से गुजर रहे थे तो गाँव के लोगों ने कहा, अरे! देखो, वो दोनों हंस उस बेचारे कछुए को पकड़ कर ले जा रहे हैं और आगे जाकर ये उस कछुए को मार देंगे।

गाँव वालों की इन बातों को सुनकर कछुए से रहा न गया और जोर से बोला, अरे! मूर्खों ये तो मेरे दोस्त हैं।

कछुए ने जैसे ही यह बोलना शुरू किया तो कछुआ सीधा नीचे जमीन पर जा गिरा और वहीं उसका दम निकल गया।

ये देखकर दोनों हंस बहुत दु:खी हुए लेकिन अब वे कुछ नहीं कर सकते थे। अब उन्होंने आगे बढ़ना ही उचित समझा।

शब्दार्थ

तालाब	=	छोटा जलाशय, पोखर	सूखा पड़ना	=	जहाँ जल की कमी पड़ जाती है
तलाश	=	खोज, छानबीन	चिंतित	=	चिंता करना
आराम	=	सुख	बेचारे	=	लाचार, बेसहारा

उच्चारण करें

मित्रता खोज तालाब उड़ना खतरा

शिक्षण संकेत

शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को इस कहानी का मूल तत्व समझाएँ एवं कहानी से मिलने वाली प्रेरणा के बारे में बताएँ।

अभ्यास कार्य

ज़रा बोलिए

Speaking Skills

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) तालाब में कौन-कौन रहता था?

(ख) कछुआ किसका मित्र था?

(ग) तालाब को कछुआ क्यों छोड़ना चाहता था?

(घ) कछुआ किसको पकड़कर उड़ना चाहता था?

ज़रा लिखिए

Writing Skills

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) हंस ने अपने दोनों मित्रों को क्या उपाय सुझाया?

.....

(ख) हंसों ने कछुआ को क्या समझाया?

.....

(ग) कछुआ नीचे क्यों गिर पड़ा?

.....

(घ) इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

.....

3. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) एक बड़े तालाब में एक ..... रहता था।

(ख) अब कछुआ और दोनों हंस ..... होने लगे।

(ग) मित्र! आज हमने एक बड़े तालाब को ..... है।

(घ) दोनों हंस एक बड़ी-सी लकड़ी को दोनों ..... से पकड़ लेंगे।

(ङ) अगले दिन सब कुछ ..... के अनुसार ही हुआ।

EDITONE INTERNATIONAL

4. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

(क) तीन मित्र कौन-कौन थे?

- ☐ दो हंस, एक कछुआ
- ☐ कछुआ और हंस
- ☐ एक हंस
- ☐ एक कछुआ

(ख) दूसरे तालाब में किसे जाना था?

- ☐ हंसों को
- ☐ कछुए को
- ☐ लोगों को
- ☐ सभी को

(ग) तालाब क्यों सूखने लगा?

- ☐ बहुत सर्दी की वजह से
- ☐ बहुत वर्षा की वजह से
- ☐ बहुत गर्मी की वजह से
- ☐ उपरोक्त में से कोई नहीं

(घ) हंस कहाँ की ओर निकल पड़े?

- ☐ भोजन की खोज में
- ☐ दूसरे तालाब की खोज में
- ☐ मोती की खोज में
- ☐ उपरोक्त में से कोई नहीं

5. दिए गए संकेतों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) मित्रो! तालाब का पानी तो बहुत कम हो गया है, अब बचा हुआ पानी ज्यादा दिन नही चलेगा।

किसने कहा – .....

किससे कहा – .....

(ख) मित्र! आज हमने एक बड़े तालाब को खोजा है।

किसने कहा – .....

किससे कहा – .....

(ग) हाँ, ये उपाय ही हमारे लिए सबसे अच्छा रहेगा।

किसने कहा – .....

किसने कहा – .....

EDITONE INTERNATIONAL

ज़रा सोचिए

Critical Thinking

6. जब परिस्थितियाँ आपके अनुकूल नहीं होती हैं तो उस स्थिति में आपको क्या करना चाहिए? सोचकर बताइए।

ज़रा भाषा पर गौर कीजिए

Language Skills

7. हिंदी वर्णमाला में कितने स्वर होते हैं? लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

8. दिए गए वाक्यों में वचन की पहचान कीजिए और लिखिए।

वचन: संज्ञा के जिस रूप से किसी व्यक्ति वस्तु के एक अथवा एक से अधिक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं; जैसे-

लड़का पढ़ता है- यहाँ लड़का का एकवचन होने का पता चलता है।

लड़कियाँ खेलती हैं- यहाँ लड़कियाँ से बहुत-सी संख्या या बहुवचन होने का पता चलता है।

कुत्ता भौंक रहा है। – .....

शेर दहाड़ रहा है। – .....

घोड़ा घास खा रहा है। – .....

चूहे नाच रहे हैं। – .....

बंदर केले खा रहे हैं। – .....

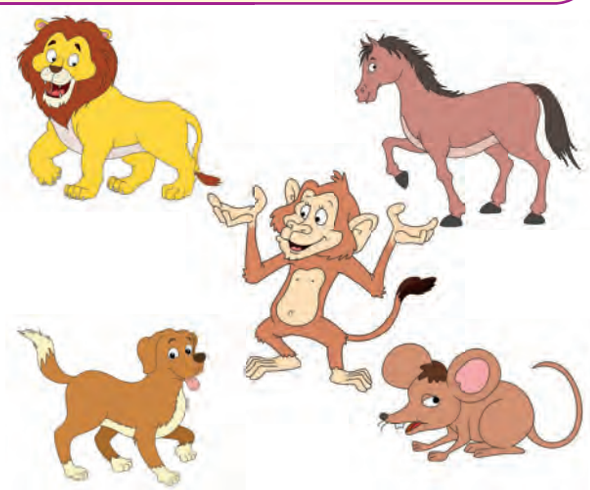

EDTONE INTERNATIONAL

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए

Creative Skills

9. 'जल ही जीवन है' इस कथन की पुष्टि करते हुए संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

....

....

....

....

....

....

....

ज़रा दिमाग लगाइए

Brain Storming Activity

10. कछुआ को तालाब तक पहुँचने में मदद कीजिए।

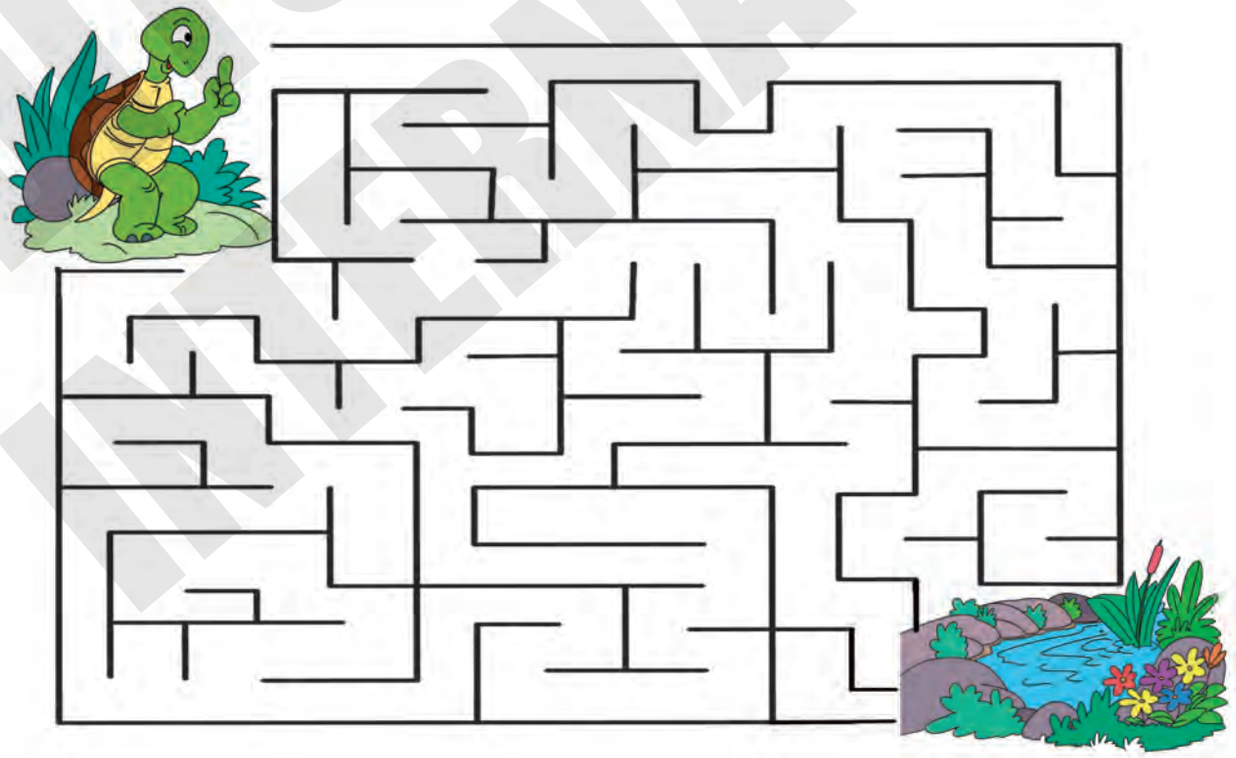

EDITONE INTERNATIONAL

ज़रा रंग भरिए

11. दिए गए चित्र में रंग भरिए।

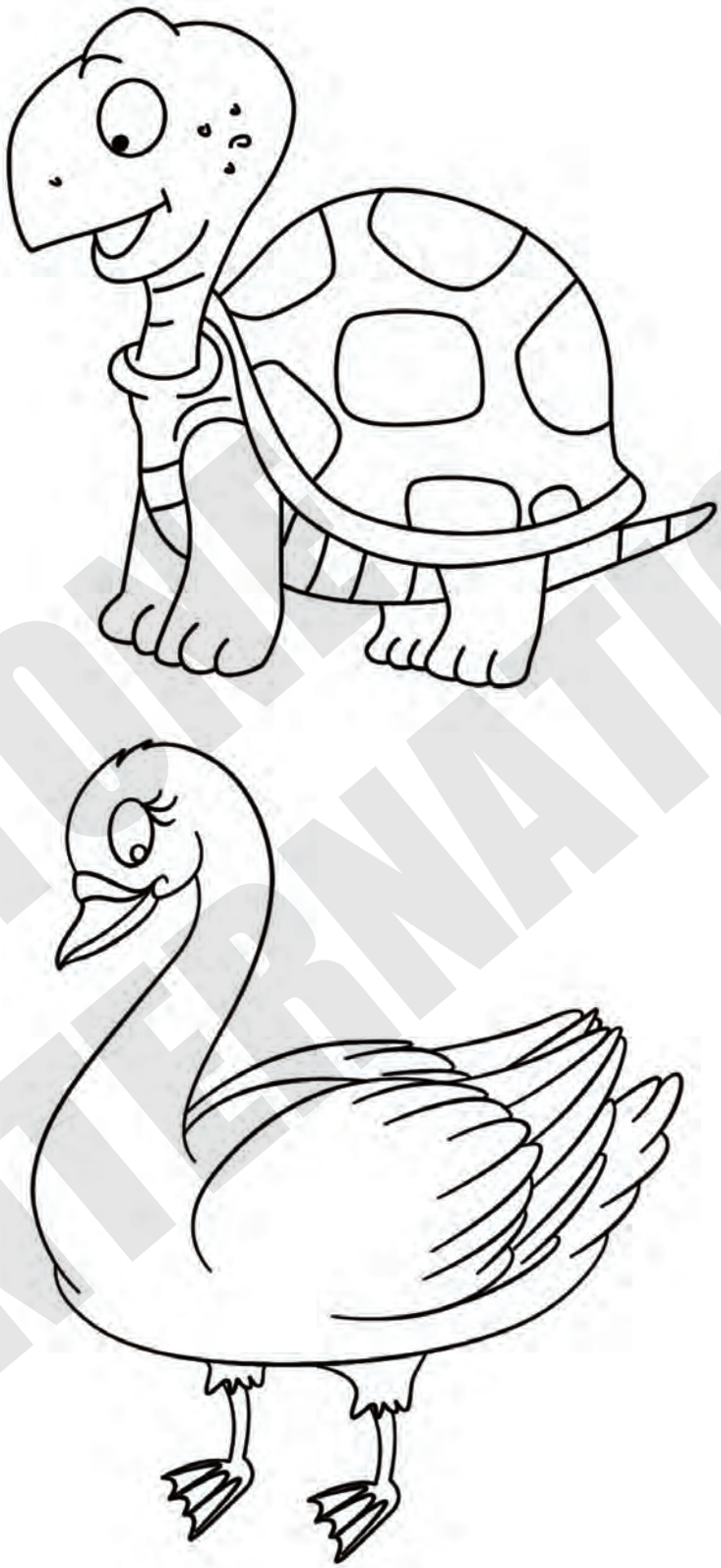

EDITORIAL INTERNATIONAL